गैया तेरा हाल देख के

गैया तेरा हाल देख के मन मेरा भर आये जग की पालनहारी माँ,
दर दर की ठोकरे खाये गैया तेरा हाल देख के...

जिस बालक की बाना हो तुम उसकी माँ बन जाती,
पाल पोस कर उसको जग में जीने योगये बनाती,
करती वो एहसान जो कभी उतर नहीं पाती,
गैया तेरा हाल देख के...

पी कर दूध छोड़ देते है पापी जग के बन्दे,
मतलब खोर ज़माने वाले हुए अकल के अंधे,
इतनी ममता बरसा कर भी खुद प्यासी रह जाए,
गैया तेरा हाल देख के.......

डफलात में सोने वालो कुछ अपने होश संभालो,
गैया माँ की सेवा करके अपने भाग्य बनालो,
रोता है पाली का दिल जब गैया नीर भहाये,
गैया तेरा हाल देख के.......

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4767/title/gaiyan-tera-haal-dekh-ke-man-mera-bhar-aaye-jag-ki-palanhari-maa-dar-dar-ki-tholar-khaye-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |